दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

Govt. Registered Social Justice Union

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 05 अप्रैल 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 186

महत्वपूर्ण एवं खास

वाराणसी जा रहा इंडिगो का विमान तकनीकी समस्या के चलते हैदराबाद की ओर मोड़ा गया

नई दिल्ली,04 अप्रैल (आरएनएस)। बेंगलुरू से वाराणसी जा रहे 'इंडिगो' एयरलाइन के विमान को मंगलवार को तकनीकी खराबी के चलते हैदराबाद की ओर मोड़ दिया गया. विमानन कंपनी ने बताया कि एक अन्य विमान से यात्रियों को वाराणसी भेजा जाएगा. कंपनी ने एक बयान में कहा कि बेंगलुरू से वाराणसी जाने वाले 'इंडिगो' के विमान-6ई897 को एहतियात के तौर पर हैदराबाद की ओर मोड़ दिया गया. पायलट ने एक तकनीकी समस्या देखी और एहतियातन उसे हैदराबाद की ओर मोड़ दिया. अभी विमान की आवश्यक जांच की जा रही है. विमान में सवार यात्रियों की संख्या अभी पता नहीं चल पाई है.

ओडिशा के क्योंझर में आग लगने से 69 दुकानें जलीं, शॉर्ट सर्किट होने की आशंका

क्योंझर (आरएनएस)। ओडिशा के क्योंझर शहर में एक बाजार में आग लग जाने से 69 दुकानें जल कर खाक हो गईं. एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. क्योंझर के तहसीलदार आशीष महापात्रा ने बताया कि सोमवार शाम को दमकल की छह गाड़ियां आग बुझाने में जुटी थीं. उन्होंने कहा कि घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन पानी की अपर्याप्त आपूर्ति के कारण आग पर काबू पाने में दमकलकर्मियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. उन्होंने कहा कि आग को अंतत: 7-8 घंटे की मशक्कत के बाद बुझा लिया गया. उन्होंने कहा कि नुकसान के आकलन की प्रक्रिया जारी है. क्योंझर के उपजिलाधिकारी रामचंद्र किस्कू ने कहा कि आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट होने से लगी है.

सिक्किम में भारी हिमस्खलन, अब तक 6 की मौत

150 से अधिक पर्यटक फंसे

गंगटोक (आरएनएस)। सिक्किम के नाथू ला पहाड़ी दर्रे में मंगलवार को भारी हिमस्खलन होने के बाद चीख-पुकार मच गई है। इस घटना में अब तक 6 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यहां 150 से अधिक पर्यटक बर्फ में फंस गए हैं। राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। लोगों को बाहर निकालने की कोशिश जारी है। हिमस्खलन मंगलवार दोपहर करीब 12 बजकर 20 मिनट पर हुआ। छह लोगों ने नजदीकी सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिनमें चार पुरुष, एक महिला और एक बच्चा शामिल है। पुलिस के अनुसार, 150 से अधिक पर्यटक अभी भी 15 मील से आगे फंसे हुए हैं। इस बीच, बर्फ में फंसे 30 पर्यटकों को बचा लिया गया है और उन्हें गंगटोक के एसटीएनएम अस्पताल और सेंट्रल रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ड्रग से जुड़ी रिपोर्ट के तीन लिफाफे पहुंचे सीएम मान के पास

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब में ड्रग से संबंधित रिपोर्ट पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की तरफ से खोल दिए जाने से जनता के दरबार में आने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। सालों से बंद पड़ी इन रिपोर्टों के 3 लिफाफे मुख्यमंत्री भगवंत मान के पास पहुंच गए हैं। उक्त जानकारी मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक ट्वीट के माध्यम से साझा की।

देश में 24 घंटे में आए कोरोना के 3,038 नए मामले

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,038 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढक़र 4,47,29,284 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढक़र 21,179 पर पहुंच गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को सुबह आठ बजे जारी अपडेटेड आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से दिल्ली तथा पंजाब में दो-दो और जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र तथा उत्तराखंड में एक-एक मरीज की मौत के बाद देश में मृतक संख्या बढक़र 5,30,901 हो गई। वहीं, संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुन:मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में दो नाम और जोड़े हैं।

अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी 21,179 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.05 फीसदी है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.76 फीसदी है। अभी तक कुल 4,41,77,204 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि

कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 फीसदी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.66 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

चारधाम यात्रा 2023 : केदारनाथ- बद्रीनाथ यात्रा रूट पर कोविड गाइडलाइन अनिवार्य

देहरादून (आरएनएस)। चारधाम यात्रा 2023 पर यूपी, एमपी सहित देश-विदेश से जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बड़ा अपडेट आया है। बदरीनाथ-केदारनाथ सहित चार धाम पंजीकरण करा चुके तीर्थ यात्रियों ने अगर यह काम नहीं कियो तो उन्हें चारों धामों में दर्शन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। देशभर में कोरोना के बढ़ते केसों को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने संक्रमण रोकने के लिए सख्त एक्शन लिया है। इसके तहत चारधाम पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को सख्ती से कोविड गाइडलाइन का पालन करना होगा। कोविड गाइडलाइन्स का पालन नहीं करने पर तीर्थ यात्रियों के खिलाफ एक्शन भी होगा। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने लिए सरकार की आरे से कोविड जांच का दायरा बढ़ाने के भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए विधानसभा में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि चार धाम यात्रा-2023 को देखते कोविड गाइडलाइन को सख्ती से यात्रा रूट पर लागू कराया जाए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने उत्तराखंड में कोविड जांच बढ़ाने के लिए भी निर्देश दिए हैं। उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रावत ने प्रदेशभर में कोरोना वैक्सीनेशन बढाने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों को कहा है।

अब आंध्र प्रदेश की धरती से निकला खजाना

मिले 15 दुर्लभ तत्व

हैदराबाद (आरएनएस)। जम्मू और कश्मीर के बाद अब आंध्र प्रदेश की धरती से भी खजाना निकला है। खबर है कि वैज्ञानिकों ने दक्षिण भारतीय राज्य के अनंतपुर जिले में 15 दुर्लभ तत्व या रेयर अर्थ एलिमेंट्स मिले हैं। खास बात है कि ये तत्व मोबाइल से लेकर टीवी और कंप्यूटर बनाने तक में काम आते हैं। हैदराबाद की नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने यह शोध की थी।

बताया जा रहा है कि खोज के दौरान एलानाइट, सीरीएट, थोराइट, कोलम्बाइट, टैंटलाइट, एपेटाइट, जिरकोन, मोनाजाइट, पायरोक्लोर यूक्सेनाइट और फ्लोराइट मिले हैं। हत्रक्रढ्ढ के वैज्ञानिक साइनाइट्स जैसे पत्थरों की तलाश के लिए सर्वे कर रहे थे। वैज्ञानिक पीवी सुंदर राजू का कहना है कि अलग-अलग आकार के जिरकोन रेड्डीपल्ली और पेड्डावडागुरु गांवों में मिले हैं।

उन्होंने बताया है कि इनके बारे में और जानकारी जुटाने के लिए शोध किए जाएंगे। ये तत्व क्लीन एनर्जी, एयरोस्पेस, डिफेंस और पर्मानेंट मैगनेट्स बनाने में काम आते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि मैटेलोजनी के प्रभावों के साथ इन तत्वों के आकलन का काम जारी है। दरअसल, मैटेलोजनी जियोलॉजी की ही शाखा है।

मणिपुर में बम विस्फोट में 5 प्रवासी मजदूर घायल : ठेले के नीचे रखा था बम

इंफाल (आरएनएस)। मणिपुर में उखरूल जिले के फुंगरीतांग और व्यूलैंड क्षेत्र के बीच सोमवार शाम एक आईईडी विस्फोट में पांच लोग घायल हो गए. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. घायल हुए पांचों लोग मणिपुरी के नहीं हैं. घायलों को इलाज के लिए उखरुल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

अधिकारियों ने बताया कि संजय कुमार प्रसाद और मंगल महतोनको बिहार के निवासी हैं, जिन्हें चिकित्सकों ने इंफाल के एक अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी है. ये दोनों व्यूलैंड में रहते हैं. वहीं अन्य तीन खतरे से बाहर हैं. पुलिस विस्फोट के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है. विस्फोट के कारण सडक़ पर एक गड्ढा भी हो गया.

अज्ञात बदमाशों ने एक ठेले के नीचे रखे बम में विस्फोट किया था. विस्फोट के बाद जिला पुलिस कर्मी तथा असम राइफल्स के जवान मौके पर पहुंचे और तलाश अभियान चलाया. हालांकि अभी तक किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है और न ही किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी ली है.

साईं बाबा पर बयान को लेकर फंसे बागेश्वर धाम सरकार, मुंबई में शिकायत दर्ज, एफआईआर की मांग

मुंबई (आरएनएस)। बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री मुश्किल में फंसते नजर आ रहे है। उनके खिलाफ मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत की गई है। बताया जा रहा है कि धीरेंद्र शास्त्री ने शिरडी के साईं बाबा पर बयान दिया था। इसी मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। यह शिकायत उद्धव बालासाहेब ठाकरे की युवा सेना की तरफ से दी गई है।

बागेश्वर बाबा द्वारा शिरडी साईं बाबा के पर बयान सामने आने के बाद उद्धव बालासाहेब ठाकरे की युवा सेना के लोगों ने मुंबई में बांद्रा पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत

दी है। बागेश्वर बाबा पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। युवा सेना के लोगों ने कहा कि बागेश्वर बाबा शिरडी साईं बाबा के भक्तों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कुछ दिन पूर्व साईं बाबा को लेकर बड़ा बयान दिया था। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था कि साईं बाबा कोई भगवान नहीं हैं। उन्होंने कहा कि साईं बाबा संत और फकीर हो सकते हैं। लेकिन भगवान नहीं हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म में शंकराचार्य का सबसे बड़ा स्थान है। उन्होंने साईं बाबा को देवताओं का स्थान नहीं दिया है।

उन्होंने विवादित बयान देते हुए कहा था कि गीदड़ की खाल पहनकर कोई शेर नहीं बन सकता।

बता दें कि बागेश्वर बाबा उर्फ पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा एमपी के जबलपुर में 25 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित की गई थी। इस दौरान चर्चा करते हुए उन्होंने साईं बाबा को लेकर कई बातें कही थीं। उन्होंने कहा था कि हमारे सर्वोच्च गुरु शंकराचार्य ने कभी भी साईं बाबा को देवता का स्थान नहीं दिया था। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था कि शंकराचार्य हिंदू धर्म के प्रधानमंत्री हैं। इसलिए हर सनातनी को उनकी बात मानना बहुत जरूरी है।

इसके अलावा धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था कि साईं बाबा को लेकर जिन लोगों की आस्था है, मैं उनकी आस्था को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा था कि संत हमारे चाहे धर्म के हों या फिर तुलसीदास और सूरदास ही क्यों नहीं हों, ये लोग महान हो सकते हैं, योगपुरुष हो सकते हैं। लेकिन कोई भी भगवान नहीं हो सकता है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने हत्या के दोषी को प्रेमिका से शादी करने के लिए दी पैरोल : दोषी को हत्या के मामले में हुई है 10 साल की सजा

बेंगलुरू, (आरएनएस)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने हत्या के एक दोषी को 15 दिन की पैरोल पर रिहा करने का कारागार अधिकारियों को निर्देश दिया है ताकि वह अपनी प्रेमिका से शादी कर सके. दोषी आनंद को हत्या के मामले में 10 साल की सजा हुई है. उसकी मां और प्रेमिका ने अदालत का रुख किया था. याचिका में कहा गया कि महिला की शादी किसी और से हो जाएगी इसलिए आनंद को पैरोल दी जाए ताकि वह उससे शादी कर सके.

हालांकि, अतिरिक्त सरकारी वकील ने अदालत से कहा, शादी करने के लिए पैरोल देने का कोई प्रावधान नहीं है. उन्होंने कहा कि अगर शादी किसी ओर की होती जिसमें हिरासत में लिया गया व्यक्ति शामिल होना चाहता, तो परिस्थिति अलग होती. अदालत ने कहा कि अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता के अनुसार, जेल नियमावली के खंड 636 के तहत पैरोल का अधिकार इस व्यक्ति को नहीं मिल सकता. जेल नियमावली के खंड 636 का उप-खंड 12 संस्थान के प्रमुख को किसी भी अन्य असाधारण परिस्थितियों में पैरोल देने का अधिकार देता है. इसलिए अदालत इसे एक असाधारण परिस्थिति मानते हुए व्यक्ति को पैरोल देने को कहती है. आनंद की मां रत्नम्मा और प्रेमिका नीता जी. ने उच्च न्यायालय का रुख किया था. नीता ने याचिका में कहा था कि उसकी शादी किसी और से हो जाएगी और इसलिए आनंद को उससे शादी करने के लिए पैरोल दी जानी चाहिए.

याचिका में कहा गया कि वह पिछले नौ साल से आनंद से प्यार करती है. उसे हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी जिसे बाद में कम करके 10 साल कर दिया गया. वह पहले ही छह साल की सजा काट चुका है. अदालत ने परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार के जेल उप महानिरीक्षक और मुख्य पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता की अपील पर गौर करें और आनंद को पांच अप्रैल 2023 को पूर्वाह्न से 20 अप्रैल 2023 की शाम तक पैरोल पर रिहा किया जाए.

आठ साल की बच्ची से रेप के बाद उसके 10 टुकड़े करने के मामले में आरोपी के माता-पिता भी गिरफ्तार

❑ लाश ठिकाने लगाने का बनाया था प्लान

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान के उदयपुर जिले के मावली इलाके में 8 साल की बच्ची से रेप के बाद उसके 10 टुकड़े करने के मामले में हत्यारे कमलेश उर्फ करण सिंह के माता-पिता को भी गिरफ्तार किया है. बच्ची की हत्या के बाद उसके शव को बाहर खंडहर जगह पर ठिकाने लगाने में माता-पिता की भूमिका रही है. इसके साथ ही प्रशासन को लगातार अभियुक्त के माता-पिता गुमराह करते रहे.

मामले में लिप्त अभियुक्त करण सिंह के पिता राम सिंह व माता किशन कुंवर को गिरफ्तार किया गया. जहां उन्हें न्यायालय में पेश किया वहां उन्हें रिमांड पर भेज दिया. मामला एसटी-एससी का होने से उपाधीक्षक मामले में जांच कर रहे हैं.

जानकारी के अनुसार बालिका की हत्या के बाद युवक के कमरे में भी बोरे में बन्द कर शव को रखा था जिससे वह रात भर सो नही पा रहा था. दो दिन में उसको नींद नही आने के कारण शक की सुई उस आ अटकी. ऐसे में पुलिस ने एक ही बार सख्ती की तो उसने पूरा मामला ही उगल दिया.

इधर जघन्य हत्याकांड को लेकर चारों तरफ रोष व्यापत हो गया है. कई समाज संगठनों ने ज्ञापन भी दिए और पीड़ित को न्याय तथा आरोपी को फांसी की सजा की मांग की है. सर्व समाज मे इसको लेकर काफी रोष व्याप्त है. लोग आरोपी को फांसी की सजा देने व मृतका के परिजनों को 50 लाख की आर्थिक सहायता देने की मांग कर रहे हैं. इसके साथ ही पूरा मामला फ़ास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाया जाए जिससे पीड़िता को जल्द न्याय मिल सके. आज भी कई संगठनों द्वारा पीड़िता के आश्रितों को न्याय दिलाने के लिए ज्ञापन दिया जायेगा.

महंगाई भत्ते का बकाया भुगतान नहीं होने पर कर्मचारियों ने गुरुवार को काम बंद करने का किया आह्वान

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ महंगाई भत्ते का बकाया भुगतान नहीं होने पर आंदोलन की अगुवाई कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों के संयुक्त मंच ने अब इस मुद्दे पर अपने आंदोलन के विस्तार के रूप में 6 अप्रैल को काम बंद करने का फैसला किया है। इसके अलावा संयुक्त मंच के संयोजक भास्कर घोष ने मंगलवार सुबह बताया कि आंदोलनकारी राज्य सरकार के कर्मचारी इस मुद्दे को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर दो दिवसीय धरना-प्रदर्शन करेंगे।

उसके बाद संयुक्त मंच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ और केंद्रीय मंत्रिमंडल के कुछ मंत्रियों को एक ज्ञापन भेजेगा।

घोष के अनुसार, आंदोलन के भविष्य के पाठ्यक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हाल के आरोपों के खिलाफ विरोध शामिल होगा कि पिछले वाम मोर्चा शासन के दौरान अवैध रूप से राज्य सरकार की नौकरियां हासिल करने वाले लोग महंगाई भत्ते के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

घोष ने दावा किया कि आंदोलनकारी कर्मचारी व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भेजकर उनकी भर्तियों की जांच का आदेश देने का अनुरोध करेंगे। घोष ने कहा, जांच को यह साबित करने दें कि हमने अपनी नौकरी कानूनी तरीके से हासिल की या नहीं।

उन्होंने कहा, यह पता चला है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय सहित पश्चिम बंगाल की सभी अदालतों के कर्मचारियों ने भी संयुक्त मंच के प्रति एकजुटता की अभिव्यक्ति के रूप में 6 अप्रैल को काम बंद रखने का फैसला किया है।

पीएम मोदी ने रेलवे के माल ढुलाई के रिकॉर्ड बनाने की सराहना की

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय रेलवे द्वारा समाप्त वित्त वर्ष में डेढ़ अरब टन से अधिक माल ढुलाई का कीर्तिमान रचने के लिए रेलवे की सराहना की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट करके जानकारी दी कि रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 1512 मिलियन टन यानी एक अरब 51 करोड़ 20 लाख टन से अधिक माल ढुलाई करके किसी भी वित्तीय वर्ष में अब तक की सबसे अधिक माल ढुलाई दर्ज की है। प्रधानमंत्री ने रेल मंत्री के ट्वीट थ्रेड पर इस पर प्रतिक्रिया करते हुए ट्वीट किया, यह वाणिज्य और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए अच्छी खबर है।

गत रविवार को रेल मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2022-23 में एक अरब 51 करोड़ 20 लाख टन माल ढुलाई का रिकार्ड बनाया है जो पिछले वर्ष के 14,180 लाख टन की तुलना में 6.63 फीसदी अधिक है। यह किसी एक वित्त वर्ष में अब तक की सर्वाधिक माल ढुलाई है। भारतीय रेलवे ने 2021-22 के 1.91 लाख करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 27.75 प्रतिशत अधिक यानी 2.44 लाख करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया है।

भारतीय रेलवे ने 'हंग्री फॉर कार्गो' के मूलमंत्र को अपनाते हुए 'कारोबार करने में आसानी' के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी दरों पर सेवा उपलब्धता को बेहतर करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक और गैर-पारंपरिक कमोडिटी दोनों से ही जुड़ा नया व्य वसाय रेलवे को प्राप्त हो रहा है। व्यवसाय विकास इकाइयों के ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण एवं कार्यकलापों के साथ-साथ अत्यंत प्रभावकारी नीति निर्माण से रेलवे को यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में काफी मदद मिली है।

भारतीय रेलवे माल ढुलाई में अपनी मॉडल हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे 'गति शक्ति फ्रेट टर्मिनलों' के विकास को प्राथमिकता दे रही है। वित्त वर्ष 2021-22 के 21 फ्रेट टर्मिनलों की तुलना में 2022-23 की अवधि में 30 फ्रेट टर्मिनल बनाये गये।